हिमाचलप्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
मानविकी एवं भाषासंकाय
विभागः – संस्कृतम्

संस्कृतविभाग की शैक्षिकसमिति की तृतीय बैठक का कार्यविवरण

संस्कृतविभाग की शैक्षिकसमिति तृतीय बैठक का आयोजन हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीय-विश्वविद्यालय के धर्मशाला स्थित धौलाधार परिसर में २१ सितम्बर, २०१७ दिनाङ्क को, १०.३० पूर्वाह्न में हुआ। गोष्ठी का आरम्भ औपचारिक स्वागतभाषण से समिति के अध्यक्ष / संयोजक प्रो० रोशनलालशर्मा द्वारा किया गया।

संगोष्ठी में उपस्थित सदस्य –

१. प्रो० रोशनलालशर्मा, अध्यक्ष, संयोजक, कुलपति द्वारा संस्तुत
२. प्रो० लक्ष्मीनिवासपाण्डेय, बाह्यविषयविशेषज्ञ, प्राचार्य,वेदव्यासपरिसर,बलाहर, काङ्गड़ा
३. डॉ० मधुकोण्डारविन्द्रनाथ, कुलपति द्वारा संस्तुत
४. डॉ० विवेक शर्मा
५. डॉ० कुलदीप कुमार
६. डॉ० भजहरिदास
७. श्रीमती अर्चना
८. श्रीमती अनुराधा (आमन्त्रित)

<u>विषयक्र. एसकेटी/बी.ओ.एस./३.१ :</u>

- २६ नवम्बर,२०१६ दिनाङ्क को आयोजित शैक्षिकसमिति के कार्यवृत्त का उपस्थापन। (द्रष्टव्यम् - संलग्नकसंख्या-१)

<u>कार्यविवरण :</u>

संस्कृतविभाग की शैक्षिक समिति के समक्ष उपस्थापित द्वितीय शैक्षिक समिति के कार्य और नियम शैक्षिकसमिति के कार्य एवं नियम रूप से अनुमोदित किये गये। जो गुरुवार २१ सितम्बर, २०१७ दिनाङ्क से प्रवृत्त होंगे।

<u>विषय क्र. एसकेटी / बी.ओ.एस. / ३.२ :</u>

Rlm

- संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा में द्वितीय अयन (समेस्टर) के विद्यार्थियों के द्वारा चयनाधारित मूल्यपद्धति (सीबीसीएस) के अन्तर्गत अपेक्षितमूल्याङ्कों के अर्जनार्थ अनुमति (द्रष्टव्य – संलग्नकसंख्या - २)।
- संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठास्तर के चतुर्थ अयन के विद्यार्थियों का चतुर्थ सत्र में आठ मूल्याङ्कों के और पञ्चम षष्ठ अयनों में इन्ही विद्यार्थियों की चयनाधारितमूल्यपद्धति के अन्तर्गत अपेक्षित मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ अनुमति (द्रष्टव्य – संलग्नकसंख्या - २)।
- संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा स्तर में चयनाधारितमूल्यपद्धति में (सीबीसीएस) निर्धारित (१४०) मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ पाठ्यक्रम के पुनस्संरचनार्थ अनुमति (द्रष्टव्यम्-संलग्नकसंख्या-३.अ, ३.ब)।

कार्यविवरणम् :

- **पूर्वव्यापी प्रभाव** से संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा स्तर के द्वितीय अयन विद्यार्थियों के द्वारा चयनाधारितमूल्यपद्धति में (सीबीसीएस) अपेक्षित मूल्याङ्कों को तृतीय-चतुर्थ-पञ्चम एवं षष्ठ अयन में अर्जनार्थ करने की अनुमति प्रदान कर दी गयी (द्रष्टव्यम् – संलग्नकसंख्या - २)।
- **पूर्वव्यापी प्रभाव** से संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठास्तर के चतुर्थ अयन विद्यार्थियों के द्वारा चतुर्थ अयन में आठ मूल्याङ्कों के और पञ्चम-षष्ठ अयनों में इन्ही विद्यार्थियों की चयनाधारितमूल्यपद्धति के अन्तर्गत अपेक्षित मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ अनुमति प्रदान कर दी गई (द्रष्टव्यम् – संलग्नकसंख्या - २)।
- **पूर्वव्यापी प्रभाव** से संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा स्तर में चयनाधारितमूल्यपद्धति में (सीबीसीएस) निर्धारित (१४०) मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ पाठ्यक्रम के पुनस्संरचनार्थ अनुमति दे दी गई। स्नातक प्रथम अयन (2017 ख्रिष्टाब्द) में २४ श्रेयाङ्क पढाये जा रहे हैं, जिनकी **पूर्वव्यापी प्रभाव** से अनुमति दे दी गई। एवं इसके बाद अर्थात् जुलाई २०१८ के वृष्टि सत्र से **संलग्नकसंख्या-३.ब** में प्रदर्शित किये गये अयनानुसार श्रेयाङ्कों को पढ़ाया जायेगा यह भी अनुमति दे दी गई। (द्रष्टव्यम्-संलग्नकसंख्या-३अ, ३ब)

संलग्नकसंख्या-१

हिमाचलप्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
मानविकी एवं भाषासंकाय
विभागः – संस्कृतम्

संस्कृतविभाग की शैक्षिकसमिति की चतुर्थ बैठक का कार्यविवरण

संस्कृतविभाग की शैक्षिकसमिति की चतुर्थ बैठक का आयोजन हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीय-विश्वविद्यालय के धर्मशाला स्थित धौलाधार परिसर में ८ अगस्त, २०१८ दिनाङ्क को, १०.३० पूर्वाह्न में हुआ। गोष्ठी का आरम्भ औपचारिक स्वागतभाषण से समिति के अध्यक्ष / संयोजक प्रो० रोशनलालशर्मा द्वारा किया गया।

संगोष्ठी में उपस्थित सदस्य –

१. प्रो० रोशनलालशर्मा, अध्यक्ष, संयोजक, कुलपति द्वारा संस्तुत
२. प्रो० राजेन्द्रा शर्मा, हि० प्र० वि० वि० संस्कृत विभाग
३. प्रो० लक्ष्मीनिवासपाण्डेय, बाह्यविषयविशेषज्ञ,
प्राचार्य,वेदव्यासपरिसर,बलाहर, काङ्गड़ा
४. प्रो० सतीश कुमार गंजु, कुलपति द्वारा संस्तुत
५. डॉ० कुलदीप कुमार
६. डॉ० विवेक शर्मा
७. डॉ० भजहरिदास
८. श्रीमती अर्चना

विषयक्र. एसकेटी/बी.ओ.एस./४.१ :

- २१ सितम्बर, २०१७ दिनाङ्क को आयोजित शैक्षिकसमिति के कार्यवृत्त का उपस्थापन। (द्रष्टव्यम् - संलग्नकसंख्या-१)

कार्यविवरण :

संस्कृतविभाग की शैक्षिक समिति के समक्ष उपस्थापित तृतीय शैक्षिक समिति के कार्य और नियम शैक्षिकसमिति के कार्य एवं नियम रूप से अनुमोदित किये गये। जो गुरुवार ९ अगस्त, २०१८ दिनाङ्क से प्रवृत्त होंगे। प्रो० लक्ष्मी निवास पाण्डेय एवं प्रो० राजेन्द्रा शर्मा ने संस्कृत विभाग को निर्देशित किया कि **SKT 216** संस्कृत एवं भारतीय संस्कृति इस प्रश्नपत्र का नामकरण बदलकर **संस्कृतं भारतीयसंस्कृतिश्च (एकः परिचयः)** कर दिया जाये। इसके अतिरिक्त बतलाया गया कि दो प्रश्नपत्रों में त्रुटि है उनको सुधार लिया जाये। साथ ही ये निर्देशित किया गया कि दिनाङ्क १० अगस्त

२०१८ को आयोजित होने वाली स्कूल बोर्ड की बैठक तक इन त्रुटियों को सुधार लिया जाये । इस मद के अन्तर्गत प्रो० लक्ष्मी निवास पाण्डेय जी ने सुझाव दिया कि सभी प्रश्न पत्रों के नाम यथा शीघ्र संस्कृत में परिवर्तन कर दिये जायें ।

संलग्नकसंख्या-१

हिमाचलप्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
मानविकी एवं भाषासंकाय
विभागः – संस्कृतम्

संस्कृतविभाग की शैक्षिकसमिति की तृतीय बैठक का कार्यविवरण

संस्कृतविभाग की शैक्षिकसमिति तृतीय बैठक का आयोजन हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीय-विश्वविद्यालय के धर्मशाला स्थित धौलाधार परिसर में २१ सितम्बर, २०१७ दिनाङ्क को, १०.३० पूर्वाह्न में हुआ। गोष्ठी का आरम्भ औपचारिक स्वागतभाषण से समिति के अध्यक्ष / संयोजक प्रो० रोशनलालशर्मा द्वारा किया गया।

संगोष्ठी में उपस्थित सदस्य –

९. प्रो० रोशनलालशर्मा, अध्यक्ष, संयोजक, कुलपति द्वारा संस्तुत
१०. प्रो० लक्ष्मीनिवासपाण्डेय, वाह्यविषयविशेषज्ञ, प्राचार्य,वेदव्यासपरिसर,बलाहर, काङ्गड़ा
११. डॉ० मधुकोण्डारविन्द्रनाथ, कुलपति द्वारा संस्तुत
१२. डॉ० विवेक शर्मा
१३. डॉ० कुलदीप कुमार
१४. डॉ० भजहरिदास
१५. श्रीमती अर्चना
१६. श्रीमती अनुराधा (आमन्त्रित)

विषयक्र. एसकेटी/बी.ओ.एस./३.१ :

- २६ नवम्बर,२०१६ दिनाङ्क को आयोजित शैक्षिकसमिति के कार्यवृत्त का उपस्थापन। (द्रष्टव्यम् - संलग्नकसंख्या-१)

कार्यविवरण :

संस्कृतविभाग की शैक्षिक समिति के समक्ष उपस्थापित द्वितीय शैक्षिक समिति के कार्य और नियम शैक्षिकसमिति के कार्य एवं नियम रूप से अनुमोदित किये गये। जो गुरुवार २१ सितम्बर, २०१७ दिनाङ्क से प्रवृत्त होंगे।

विषय क्र. एसकेटी / बी.ओ.एस. / ३.२ :

- संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा में द्वितीय अयन (समेस्टर) के विद्यार्थियों के द्वारा चयनाधारित मूल्यपद्धति (सीबीसीएस) के अन्तर्गत अपेक्षितमूल्याङ्कों के अर्जनार्थ अनुमति (द्रष्टव्य – संलग्नकसंख्या - २)।
- संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठास्तर के चतुर्थ अयन के विद्यार्थियों का चतुर्थ सत्र में आठ मूल्याङ्कों के और पञ्चम षष्ठ अयनों में इन्ही विद्यार्थियों की चयनाधारितमूल्यपद्धति के अन्तर्गत अपेक्षित मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ अनुमति (द्रष्टव्य – संलग्नकसंख्या - २)।
- संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा स्तर में चयनाधारितमूल्यपद्धति में (सीबीसीएस) निर्धारित (१४०) मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ पाठ्यक्रम के पुनस्संरचनार्थ अनुमति (द्रष्टव्यम्-संलग्नकसंख्या-३.अ, ३.ब)।

कार्यविवरणम् :

- पूर्वव्यापी प्रभाव से संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा स्तर के द्वितीय अयन विद्यार्थियों के द्वारा चयनाधारितमूल्यपद्धति में (सीबीसीएस) अपेक्षित मूल्याङ्कों को तृतीय-चतुर्थ-पञ्चम एवं षष्ठ अयन में अर्जनार्थ करने की अनुमति प्रदान कर दी गयी (द्रष्टव्यम् – संलग्नकसंख्या - २)।
- पूर्वव्यापी प्रभाव से संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठास्तर के चतुर्थ अयन विद्यार्थियों के द्वारा चतुर्थ अयन में आठ मूल्याङ्कों के और पञ्चम-षष्ठ अयनों में इन्ही विद्यार्थियों की चयनाधारितमूल्यपद्धति के अन्तर्गत अपेक्षित मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ अनुमति प्रदान कर दी गई (द्रष्टव्यम् – संलग्नकसंख्या - २)।
- पूर्वव्यापी प्रभाव से संस्कृत स्नातक प्रतिष्ठा स्तर में चयनाधारितमूल्यपद्धति में (सीबीसीएस) निर्धारित (१४०) मूल्याङ्कों के अर्जनार्थ पाठ्यक्रम के पुनस्संरचनार्थ अनुमति दे दी गई। स्नातक प्रथम अयन (2017 ख्रिष्टाब्द) में २४ श्रेयाङ्क पढाये जा रहे हैं, जिनकी पूर्वव्यापी प्रभाव से अनुमति दे दी गई। एवं इसके बाद अर्थात् जुलाई २०१८ के वृष्टि सत्र से संलग्नकसंख्या-३.ब में प्रदर्शित किये गये अयनानुसार श्रेयाङ्कों को पढ़ाया जायेगा यह भी अनुमति दे दी गई। (द्रष्टव्यम्-संलग्नकसंख्या-३अ, ३ब)

संलग्नकसंख्या-२

कक्षा	सम्पूर्ण स्नातक प्रतिष्ठा में अपेक्षित श्रेयाङ्क	पूर्व अयनों में अर्जित श्रेयाङ्क (अयनानुसार क्रमशः)	अपेक्षित श्रेयाङ्क (अयनानुसार क्रमशः)
स्नातकतृतीय अयन	१४०	२०+२०=४०	२४+२४ + २६ +२६=१००
स्नातकपञ्चम अयन	१४०	२०+१८+१८+२८=८४	२६ + ३०=५६

तृतीय एवं पञ्चम अयन के विद्यार्थियों द्वारा अर्जित किये जा रहे श्रेयाङ्कों का प्रथम सत्र से अब तक का विवरण -

हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयः, धर्मशाला

भाषासंकायः

विभागः – संस्कृतम्

संस्कृतविभागस्य पाठ्यसमितेः पञ्चमस्य उपवेशनस्य (BOS 5TH) कार्यविवरणम्

संस्कृतविभागस्य पाठ्यसमितेः पञ्चमस्य उपवेशनस्य आयोजनं हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयस्य धर्मशालास्थे धौलाधारपरिसरे १५ अक्तूबर,२०१९ दिनाङ्के, १०.३० पूर्वाह्णे अभवत् । गोष्ठ्या आरम्भः समितेः अध्यक्षस्य संयोजकस्य च डॉ० बृहस्पतिमिश्रस्य औपचारिकस्वागतभाषणेन अभवत् ।

संगोष्ठ्यां समुपस्थिताः सदस्याः –

१. डॉ० बृहस्पतिमिश्रः, संस्कृतविभागस्य अध्यक्षः, पाठ्यसमितेः संयोजकश्च ।
२. प्रो० हर्षमेहता, बाह्यविषयविशेषज्ञः, सेवानिवृत्तः आचार्यः, पञ्जाब विश्वविद्यालयः (तलवाड़ा टाउनशिप होशियारपुर)
३. डॉ० ओमदत्तसरोचः, बाह्यविषयविशेषज्ञः, सेवानिवृत्तः प्राचार्यः, संस्कृतमहाविद्यालयः, चकमोहः, हमीरपुरम् ।
४. प्रो० रोशन लाल शर्मा, कुलपतिद्वारा नामितः, आङ्गलविभागस्य विभागाध्यक्षः
५. प्रो० बलवान् गौतमः, कुलपतिद्वारा नामितः, आचार्यः, अम्बेडकर-पीठम्
६. डॉ० कुलदीपकुमारः, सहायकाचार्यः, संस्कृतविभागः
७. डॉ० विवेकशर्मा, सहायकाचार्यः, संस्कृतविभागः
८. डॉ० भजहरिदासः, सहायकाचार्यः, संस्कृतविभागः
९. श्रीमती अर्चना (विशेषामन्त्रिता), सहायकाचार्या, संस्कृतविभागः
१०. डॉ अंकुशकुमारः, सहायकाचार्यः (अतिथिः), संस्कृतविभागः
११. सुश्री सोनिका, सहायकाचार्या (अतिथिः), संस्कृतविभागः

गोष्ठ्यामस्याम् एषा कार्यसूची विभागाध्यक्षेन समुपस्थापिता –

- ५.१- ८अगस्त,२०१८ दिनाङ्के आयोजितपाठ्यसमितेः (BOS-4TH) कार्यवृत्तस्य उपस्थापनम् ।

- संस्कृतविभागेन स्नातकस्तरे वार्षिक-कर्मकाण्ड-प्रमाणपत्रस्य द्विवार्षिककर्मकाण्ड-अनुधिः (डिप्लोमा) इत्यनयोः अनुमोदनम् पाठ्यक्रमयोः (संलग्नकः-२) स्वीकृतिश्च ।
- ५.३ - संस्कृतविभागेन स्नातकोत्तरस्तरे वार्षिक-संस्कृत-अनुवाद-अनुधिः (डिप्लोमा) इत्यस्य अनुमोदनम् पाठ्यक्रमस्य स्वीकृतिश्च ।
- ५.४ – नूतनपाठ्यक्रमाणाम् अनुमोदनम् –
  कौशलविकासः (skill development) :- व्यावहारिक - संस्कृतम् ।
  मानवनिर्माणम् (human making) :- संस्कृत-ज्ञानपरम्परा ।
- ५.५ - सर्वेषु पाठ्यक्रमेषु पाठ्यपुस्तकानां निर्धारिता सूची निर्मिता भवेदित्यस्य संस्तुतिः ।
- ५.६ - संस्कृतविभागस्य छात्राणां कृते कार्यशाला ।
- ५.७ - शोधच्छात्रस्य दीपकनौटियालस्य विषयस्वीकृतिः अंशकालिकविद्यावारिधेः संस्तुतिश्च ।
- ५.८ – संस्कृतविभागस्य शोधनिर्देशकानां पुष्टिः ।
- ५.९ - शोधच्छात्रस्य चमनलालस्य विद्यावारिधेः विषयस्वीकृतिः ।

अधुना कार्यविवरणमिदमस्ति –

<u>विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./५.१</u> :

- ८ अगस्त ,२०१८ दिनाङ्के आयोजितपाठ्यसमितेः कार्यवृत्तस्योपस्थापनम् । (संलग्नकः -१)

<u>कार्यविवरणम्</u> :

संस्कृतविभागस्य पञ्चमपाठ्यसमितेः (BOS-5th) समक्षमुपस्थापितानां चतुर्थपाठ्यसमितेः (BOS-4th) निर्णयानां नियमानां कार्याणाञ्च अनुमोदनं कृतम् ।

<u>विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./५.२</u> :

- संस्कृतविभागेन स्नातकस्तरे वार्षिक-कर्मकाण्ड-प्रमाणपत्रस्य द्विवार्षिककर्मकाण्ड-अनुधिः (डिप्लोमा) इत्यनयोः अनुमोदनम् पाठ्यक्रमयोः (संलग्नकः-२) स्वीकृतिश्च ।

<u>कार्यविवरणम्</u> :

संस्कृतविभागेन स्नातकस्तरे वार्षिक-कर्मकाण्ड-प्रमाणपत्रस्य द्विवार्षिक-कर्मकाण्डस्य अनुधिः (डिप्लोमा) इति पाठ्यक्रमयोः प्रवेशार्हतायाः श्रेयाङ्कानाञ्च

विषये चर्चा कृता, यस्मिन् प्रवेशयोग्यता वरिष्ठ-माध्यमिक-स्तरोत्तीर्णता (10+2) स्यात् । वार्षिक-कर्मकाण्डपाठ्यक्रमस्य श्रेयाङ्काः चत्वारिंशत् (40) तथा च द्विवार्षिक-कर्मकाण्डपाठ्यक्रमस्य श्रेयाङ्काः अशीतिः (80) भवेयुः इति नियमानुसारं प्रस्तावितम् ।

पाठ्यक्रमविषये (CDC) एका गोष्ठी आयोजिता आसीत् तस्यां विशेषज्ञरूपेण द्वौ विद्वांसौ उपस्थितौ आस्ताम् । श्रीलक्ष्मीनिवासपाण्डेयः तथा च श्रीबनवारीशर्मा इत्येताभ्यां विशेषज्ञाभ्यां पाठ्यक्रमस्य प्रारूपं निर्माय प्रदत्तम् ।

वार्षिक-कर्मकाण्ड-प्रमाणपत्र-पाठ्यक्रमस्य (CERTIFICATE COURSE) नाम **विशारदः** एवञ्च द्विवार्षिक-कर्मकाण्ड-अनुधि-पाठ्यक्रमस्य (DIPLOMA COURSE) नाम **प्रवीणः** इति नाम विषये चर्चा जाता सर्वसम्मत्या च निर्णीतम् ।

गोष्ठ्यां ओम्दत्तसरोचमहोदयेनोक्तं यत् सन्दर्भग्रन्थेषु कर्मठगुरुः, नित्यपूजाप्रकाश-इत्यादीनां प्रमुखानां ग्रन्थानां समायोजनं भवेदिति चर्चितम् । सर्वसम्मत्या प्रस्तावः स्वीकृतः ।

<u>विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./५.३</u> :

➢ संस्कृतविभागेन वार्षिक–संस्कृत-अनुवाद-अनुधिः (डिप्लोमा) इत्यस्य अनुमोदनम् पाठ्यक्रमस्य (संलग्नकः-३) स्वीकृतिश्च ।

<u>कार्यविवरणम्</u> :

संस्कृतविभागेन स्नातकोत्तरस्तरे वार्षिक-संस्कृत-अनुवाद-अनुधि (डिप्लोमा) इति पाठ्यक्रमस्य प्रवेशार्हतायाः श्रेयाङ्कानाञ्च विषये चर्चा कृता, यस्मिन् प्रवेशयोग्यता स्नातकः (B.A) स्यात् । वार्षिक-संस्कृत-अनुवाद-अनुधि-पाठ्यक्रमस्य श्रेयाङ्काः चत्वारिंशत् (40) भवेयुः इति नियमानुसारं प्रस्तावितम्, यदि 20 श्रेयाङ्काः प्राप्ताः चेत् प्रमाणपत्रं प्रदास्यते । सर्वसम्मत्या प्रस्तावः स्वीकृतः । पाठ्यक्रमव्याख्यानयोजनायाः कृते एकां समितिम् विभागाध्यक्षः रचयिष्यति । सा समितिः पाठ्यक्रमस्य विवरणं प्रस्तावयिष्यति ।

<u>विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./५.४</u> :

➢ नूतनपाठ्यक्रमाणाम् अनुमोदनम् – (संलग्नकः- ४)

कौशलविकासः (skill development) :- व्यावहारिक-संस्कृतम् ।

मानवनिर्माणम् (human making) :- संस्कृत-ज्ञानपरम्परा

कार्यविवरणम् :

- कौशलविकासान्तर्गतं (skill development) व्यावहारिक-संस्कृतम् एवञ्च मानवनिर्माणान्तर्गतं (human making) संस्कृत-ज्ञानपरम्परा इत्येते पत्रे सम्यकग्-रूपेण चर्चानन्तरम् उपयोगिताञ्च परिशील्य समित्या स्वीकृते ।

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./५.४ :

- सर्वेषु पाठ्यक्रमेषु पाठ्यपुस्तकानां निर्धारिता सूची निर्मिता भवेदित्यस्य संस्तुतिः ।

कार्यविवरणम् :

- हर्षमेहतामहोदयेन अस्मिन् विषये सम्मतिः दत्ता यत् प्रश्नपत्राणां निर्माणार्थं निर्धारित-ग्रन्थसूच्याः नितान्तावश्यकता भवति । एवं प्रकारेण स्वीकृतपाठ्यक्रमेषु प्रस्तुतं संशोधनं स्वीकृतम् ।

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./ ५.५ :

- संस्कृतविभागस्य छात्राणां कृते कार्यशाला ।

कार्यविवरणम् :

- विभागस्य सर्वेषां छात्राणाम् संस्कृतभाषायाम् अधिकतरं भाषाकौशलविकासाय परिष्काराय तथा च योगे रुचि-संवर्धनाय प्रतिसत्रं प्रायोगिककक्षायाः कृते कार्यशालाः भवेयुः । अथ भाषाप्रबोधनकार्यशालायाः भाषापरिष्कारकार्यशालायाः योगकार्यशालायाः चायोजनं भवेत् । विभागाध्यक्षः उक्तवान् SKT210, SKT311 पाठ्यक्रमयोः योगासनानां दशदिवसात्मिकायाः प्रायोगिककक्षायाः आयोजनम् आवश्यकम् अस्ति, समित्या इत्यस्मिन् विषये चर्चायाम् उपस्थापितं यत् संस्कृतभाषायां सर्वेषां छात्राणां सम्यग् गतिः भवेत् । अत एव भाषाप्रबोधनकार्यशालायाः भाषापरिष्कारकार्यशालायाः योगकार्यशालायाः चायोजनं भवेदित्यस्य स्वीकृतिः तथा च SKT210, SKT311 पाठ्यक्रमयोः तदनुसारं प्रस्तुत-संशोधनस्य अनुमतिः प्रदत्ता ।

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./ ५.६ :

- शोधच्छात्रस्य दीपकनौटियालस्य विषयस्वीकृतिः अंशकालिक-विद्यावारिधेः संस्तुतिश्च ।

कार्यविवरणम् :

संस्कृतविभागस्य शोधच्छात्रस्य दीपकनौटियालस्य शोधविषयस्य स्वीकृतिः तथा च अन्यत्र वृत्तिकारणेन (SERVICE) तदीयस्य विद्यावारिधेः अंशकालिकरूपेण अनुमोदनं कृतम् ।

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./ ५.७ :

➢ संस्कृतविभागस्य शोधनिर्देशकानां पुष्टिः ।

कार्यविवरणम् :

संस्कृतविभागे शोधार्थिभिः शोधनिर्देशकानां चयनं कृतम् । पश्चात् विभागाध्यक्षेण तेषामनुमोदनं कृतम् । अनुमोदितानां अधोलिखितानां शोधनिर्देशकानां पुष्टिः कृता –

क्रमाङ्कः	शोधनिर्देशकः	शोधच्छात्रः
01.	डॉ० कुलदीपकुमारः	दीपकनौटियालः, चमनलालः, अनिलकुमारः
02.	डॉ० विवेकशर्मा	पङ्कजशर्मा
03.	डॉ० भजहरिदासः	असीमहालदारः

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./ ५.८ :

➢ शोधच्छात्रस्य चमनलालस्य विद्यावारिधेः विषयस्वीकृतिः ।

कार्यविवरणम् :

संस्कृतविभागस्य शोधच्छात्रस्य चमनलालस्य शोधविषयः प्रथमं संस्कृतवाङ्मये रोगोपचारः (अग्निपुराणस्य विशेषसन्दर्भे) इत्यासीत् । स च परिवर्त्य **अग्निपुराणे रोगोपचार** इति रूपेणानुमोदितः ।

डॉ० ओमदत्तसरोचः,
बाह्यविषयविशेषज्ञः

प्रो० हर्षमेहता,
बाह्यविषयविशेषज्ञः

प्रो० रोशन लाल शर्मा,
कुलपतिद्वारा नामितः

प्रो० बलवान् गौतमः,
कुलपतिद्वारा नामितः

21-10-2019

डॉ० बृहस्पतिमिश्रः,
संस्कृतविभागस्य अध्यक्षः,
पाठ्यसमितेः संयोजकश्च

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालयः
Central University of Himachal Pradesh
पोस्टबॉक्सन.- 21, धर्मशाला,जिला - कांगड़ा, हिमाचलप्रदेश
PO Box: 21, DHARAMSHALA, DISTRICT KANGRA,
HIMACHAL PRADESH – 176215

भाषा संकायः
संस्कृत विभागः

10 सितम्बर 2020 दिनाङ्के अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल) आयोजितायाः संस्कृत-विभागस्य पाठ्य-समितेः षष्ठ्याः गोष्ठ्याः (BoS 6th) कार्य-विवरणम्

हिमाचल-प्रदेश-केन्द्रीय-विश्वविद्यालयस्य संस्कृत-विभागस्य पाठ्य-समितेः षष्ठी गोष्ठी अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल By Circulation) 10 सितम्बर 2020 दिनाङ्के आयोजिता।

पाठ्यसमितेः अधिसूचनायाः (पत्राङ्क–1-4/हि.प्र.के.वि./सा.प्र./2010/5795-5800/23 सितम्बर2019) अनुसारम् अधिसूचितानाम् अधोलिखित-सदस्यानां कृते अणुपत्रं (ई.मेल) प्रेषितम् –

1. डॉ. ओम्दत्तसरोचः, सेवानिवृत्तप्राचार्यः , ग्रामः - पिपलू, पत्रालयः - घलू, द्वारा धनेटा, जनपदः – ऊना , हिमाचलप्रदेशः (बाह्य-विषयविशेषज्ञ-रूपेण सदस्यः)
2. डॉ. हर्षमेहता, सेवानिवृत्त-आचार्यः, 11 एल, टी -5, सेक्टर-1, तलवाडा टाउन शिप, होशियारपुर, पंजाब, (बाह्य-विषयविशेषज्ञ-रूपेण सदस्यः)
3. प्रो. रोशनलालशर्मा, अधिष्ठाता, छात्र-कल्याण, (माननीय-कुलपति-द्वारा-नामित-विश्वविद्यालयस्य संकाय-सदस्यः)
4. प्रो. बलवान् सिंहगौतमः, पीठाध्यक्षः, डॉ. आम्बेडकरपीठम्, (माननीय-कुलपति-द्वारा-नामित-विश्वविद्यालयस्य संकाय-सदस्यः)

अणुपत्रे (ई.मेल) अधोलिखितः विषयः प्रेषितः -

विषयः - संस्कृत-विभागस्य पाठ्यसमितेः (BoS-6th) षष्ठ-गोष्ठ्याम् (10-09-2020) आमन्त्रणस्य सम्बन्धे ।
आदरणीयमहोदय !

सविनयं निवेदनम् अस्ति यत् पाठ्यसमितेः (BoS-6th) षष्ठ-गोष्ठी दिनाङ्के 10-09-2020 अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल By Circulation) निश्चिता अस्ति। अत्र भवान् सम्बद्ध-विषय-विशेषज्ञरूपेण/कुलपतिनामित-सदस्यरूपेण सादरं निमन्त्रितः अस्ति ।

संस्कृतविभागस्य पाठ्यसमितेः अणुपत्रमाध्यमेन
षष्ठतमस्य उपवेशनस्य (BOS-6th) कार्यसूची

विषय: - क्र. एस.के.टी. / बी.ओ.एस. / ६.१ :

➢ हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वद्यालयस्य धौलाधारपरिसरस्य सगोष्ठीकक्षे 8 मई 2019 दिनाङ्के अनौपचारिक-संस्कृतशिक्षण-प्रकल्पस्य समापनसमारोहकार्यक्रमे कुलपतिना कुलदीपचन्दाग्निहोत्रिणा घोषणा कृतासीत् यत् अधुना हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वद्यालस्य स्नातकसंस्कृत (बी०ए०) इति उपाधिपत्रे शास्त्री इत्यपि पदं लेखिष्यते ।

कुलपतिवर्यस्य निर्देशः अस्ति यत् उपर्युक्तविषयस्य विचार-विमर्शः शीघ्रातिशीघ्रं भवेदिति । अतः अस्य विषयस्य एषा अणुपत्रमाध्यमेन गोष्ठी आयोजिता ।

अस्मिन् विषये स्वीयान् विचारान् तथा च सम्मतिः असम्मतिः इति अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल) यथाशीघ्रं प्रकाशयन्तु एतदर्थं सादरं निवेद्यते ।

सादरं धन्यवादः

(डॉ. बृहस्पतिमिश्रः)
अध्यक्षः – पाठ्य-समितिः
विभागाध्यक्षः – संस्कृतविभागः, अधिष्ठाता - भाषासंकायः
हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयः, हिमाचल प्रदेश- 177041

उपर्युक्ते विषये अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल By Circulation) सर्वैः सदस्यैः स्वमतं व्यक्तीकृतम् । डॉ. ओम्दत्त सरोचशर्ममहोदयः अस्मिन् विषये स्वकीयाम् असम्मतिं व्यक्तवान् । शेषैः सदस्यैः अस्मिन् विषये स्वकीयाः सम्मतयः व्यक्ताः । (अणुपत्राणि मुद्रितानि संलग्नानि) । एतेन सहैव सम्मतिकर्तृभिः शेषसदस्यैः दूरभाषचर्चया अस्मिन् विषये अपि सम्मतिः कृता यत् एषःनिर्णयः पूर्वप्रभाविस्तरे (Retrospective) स्नातक-संस्कृतस्य (B.A. संस्कृत) पूर्व-उपाधिप्रमाणपत्रेषु अपि प्रवर्त्तयितुं शक्यते ।

अतः बहुमतेन अस्य विषयस्य - **"हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयस्य स्नातक-संस्कृतस्य (B.A. संस्कृत) उपाधिप्रमाणपत्रे B.A. सार्धमेव शास्त्री शब्दस्यापि उल्लेखः भवतु तथा च पूर्वप्रभाविस्तरे (Retrospective) स्नातक-संस्कृतस्य (B.A. संस्कृत) पूर्व-उपाधिप्रमाणपत्रेषु अपि प्रवर्त्तयितुं शक्यते"** इत्यस्य निर्णयः जातः ।

14-09-2020

(डॉ. बृहस्पतिमिश्रः)
अध्यक्षः – पाठ्य-समितिः
विभागाध्यक्षः – संस्कृतविभागः, अधिष्ठाता - भाषासंकायः
हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयः, हिमाचल प्रदेश- 177041

प्रतिलिपयः निम्नलिखितेभ्यः सूचनार्थं तथा च आवश्यककार्यवाही-हेतुः –

1. माननीय-सदस्येभ्यः सूचनार्थम् ।
2. कुलसचिवः, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयः
3. अधिष्ठाता - भाषासंकायस्य संचिकायाम् ।
4. कुलपतिमहोदयस्य निजीसचिवाय – कृपया माननीयकुलपतिमहोदयस्य सूचनार्थम् ।

(हिन्दी-भाषया अनुवादः)

10 सितम्बर 2020 को ई.मेल के माध्यम से आयोजित संस्कृत विभाग की पाठ्य समिति की षष्ठी गोष्ठी (BoS 6th) का कार्य विवरणम्

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की षष्ठी पाठ्य समिति की गोष्ठी ई-मेल के माध्यम से (By Circulation) 10 सितम्बर 2020 को की गई।

पाठ्य समिति की अधिसूचना (पत्राङ्क–1-4/हि.प्र.के.वि./सा.प्र./2010/5795-5800/23 सितम्बर2019) के अनुसार अधिसूचित अधो लिखित सदस्यों को ई मेल किया गया –

1. डॉ. ओम्दत्तसरोचः, सेवानिवृत्तप्राचार्यः , गाँव पिपलू, डाक - घलू, बाया धनेटा, जिला – ऊना , हिमाचलप्रदेशः (बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में सदस्य)
2. डॉ. हर्ष मेहता, सेवानिवृत्त आचार्यः, 11 एल, टी -5, सेक्टर-1, तलवाडा टाउन शिप, होशियारपुर, पंजाब, (बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में सदस्य)
3. प्रो. रोशन लाल शर्मा, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, (माननीय कुलपति द्वारा नामित विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य)
4. प्रो. बलवान सिंह गौतम, चेयर प्रोफेसर, डॉ. आम्बेडकर चेयर, (माननीय कुलपति द्वारा नामित विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य)

ईमेल में अधो लिखित विषय प्रेषित किया गया -

विषयः - संस्कृत-विभागस्य पाठ्यसमितेः (BoS-6th) षष्ठ-गोष्ठ्याम् (10-09-2020) आमन्त्रणस्य सम्बन्धे ।

आदरणीयमहोदय !

सविनयं निवेदनम् अस्ति यत् पाठ्यसमितेः (BoS-6th) षष्ठ-गोष्ठी दिनाङ्के 10-09-2020 अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल By Circulation) निश्चिता अस्ति। अत्र भवान् सम्बद्ध-विषय-विशेषज्ञरूपेण/कुलपतिनामित-सदस्यरूपेण सादरं निमन्त्रितः अस्ति।

संस्कृतविभागस्य पाठ्यसमितेः अणुपत्रमाध्यमेन
षष्ठतमस्य उपवेशनस्य (BOS-6th) कार्यसूची

विषयः - क्र. एस.के.टी. / बी.ओ.एस. / ६.१ :

➢ हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वद्यालयस्य धौलाधारपरिसरस्य सगोष्ठीकक्षे 8 मई 2019 दिनाङ्के अनौपचारिक-संस्कृतशिक्षण-प्रकल्पस्य समापनसमारोहकार्यक्रमे कुलपतिना कुलदीपचन्दाग्निहोत्रिणा घोषणा कृतासीत् यत् अधुना हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वद्यालस्य स्नातकसंस्कृत (बी०ए०) इति उपाधिपत्रे शास्त्री इत्यपि पदं लेखिष्यते ।

कुलपतिवर्यस्य निर्देशः अस्ति यत् उपर्युक्तविषयस्य विचार-विमर्शः शीघ्रातिशीघ्रं भवेदिति । अतः अस्य विषयस्य एषा अणुपत्रमाध्यमेन गोष्ठी आयोजिता ।

अस्मिन् विषये स्वीयान् विचारान् तथा च सम्मतिः असम्मतिः इति अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल) यथाशीघ्रं प्रकाशयन्तु एतदर्थं सादरं निवेद्यते ।

सादरं धन्यवादः

(डॉ. बृहस्पतिमिश्रः)

अध्यक्षः – पाठ्य-समितिः

विभागाध्यक्षः – संस्कृतविभागः, अधिष्ठाता - भाषासंकायः

हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयः, हिमाचल प्रदेश- 177041

उपर्युक्त विषय में ई-मेल के माध्यम से सभी सदस्यों ने अपना मत व्यक्त किया। डॉ. ओम्दत्त सरोच शर्मा महोदय जी ने इस विषय में अपनी असम्मति व्यक्त की। शेष सभी सदस्यों ने इस विषय में अपनी सम्मति व्यक्त की। (ईमेल मुद्रित संलग्न)। इसके साथ ही सम्मति व्यक्त करने वाले शेष सभी सदस्यों ने दूरभाष चर्चा में इस विषय में भी सम्मति दी कि इस निर्णय को पूर्वप्रभावी (Retrospective) स्तर पर स्नातक संस्कृत (B.A. संस्कृत) के उपाधि प्रमाणपत्र में भी लागू किया जा सकता है।

अत: बहुमत से इस विषय – **"हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्नातक संस्कृत (B.A. संस्कृत) के उपाधि प्रमाणपत्र में B.A. के साथ शास्त्री शब्द का उल्लेख करने तथा पूर्वप्रभावी (Retrospective) स्तर पर स्नातक संस्कृत (B.A. संस्कृत) के उपाधि प्रमाणपत्र में भी लागू किया जा सकता है"** का निर्णय किया गया।

(इति शम्)

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
Central University of Himachal Pradesh
पोस्टबॉक्सन.- 21, धर्मशाला,जिला - कांगड़ा,हिमाचलप्रदेश- 176 215
PO Box: 21, DHARAMSHALA, DISTRICT KANGRA, HIMACHAL PRADESH – 176215

SCHOOL OF HUMANITIES & LANGUAGES
DEPARTMENT OF SANSKRIT &PALI

संलग्नक संख्या-1

5 नवम्बर 2015 को आयोजित संस्कृत एवं पाली विभाग की शैक्षिकसमिति की प्रथम गोष्ठी का कार्यविवरण

संस्कृत एवं पाली विभाग की प्रथमशैक्षिकसमिति का आयोजन 5 नवम्बर 2015 को हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के अस्थायी शैक्षणिक खण्ड शाहपुर में किया गया । गोष्ठी का आरम्भ अध्यक्ष एवं संयोजक डा. रोशन लाल शर्मा द्वारा सभी सदस्यों का औपचारिक स्वागत करके किया गया ।

अधोलिखित सदस्य वहां उपस्थित थे:

1. डा. रोशनलाल शर्मा, अध्यक्ष, संयोजक एवं कुलपति द्वारा नामित
2. डा. राजेन्द्रा, बाह्य विषय विशेषज्ञः संस्कृतविभागः, हिमाचलप्रदेशविश्वविद्यालयः शिमला
3. प्रो, लक्ष्मीनिवासपाण्डेय, बाह्य विषय विशेषज्ञः, प्राचार्य, वेदव्यासपरिसरः बलाहर, कांगडा
4. डा. मनुकोण्डा रबिन्द्रनाथ - कुलपति द्वारा नामित
5. जयकृष्ण- विशेष आमन्त्रित
6. मुकेश- विशेष आमन्त्रित
7. अनुराधा- विशेष आमन्त्रित

इस गोष्ठी में शैक्षिकसमिति के संगठन और इसके सदस्यों के क्रियाकलापों की शर्तो से सम्बन्धित अध्यादेश संख्या 4 ((**Section 23 and Statute 16(2) of the Central Universities Act 2009**)) के प्रावधानों के आधार पर निर्मित प्रत्येक कार्यसूची की इकाइयों पर विस्तारपूर्वक विचारविमर्श किया गया और इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया ।

विषय क्र. एस्.के.टी /बी ओ एस / 1.1
Item No. SKT/BOS/1.1:

- **शैक्षिकसमितेः कार्यसञ्चालननियमानाम् अनुमोदनम् । (द्रष्टव्यम् - संलग्नकसंख्या-1)** पृ. सं. 3
  Approval of the "Regulations for the Conduct of the Business of the Board of Studies" (See Annexure1)

<u>कार्यवाही:</u>
संस्कृत एवं पाली भाषाविभाग की प्रथम शैक्षिकसमिति के समक्ष प्रस्तुत शैक्षिकसमिति के कार्यों और नियमों को **"शैक्षिकसमिति के कार्यनियम"** के रूप में अनुमोदित किया गया, जो कि गुरुवार 5 नवम्बर 2015 से लागू होंगे । (संलग्नक १ देखें) पृ. सं. 2

विषय क्र. एस्.के.टी /बी ओ एस / 1.2

Item No. SKT/BOS/1.2:

- **पाठ्यचर्या-निर्धारण-समित्या स्नातक-स्नातकोत्तरच्छात्राणां कृते आरचितपाठ्यक्रमाणाम्अनुमोदनम् । (द्रष्टव्यम् - संलग्नकसंख्या-2 एवम् 3)**
  Approval of the courses designed by Curriculum Development Committee (CDC) for UG and PG students held on July 21-22, 2015 in the Department of Sanskrit &Pali. (See Annexure 2& 3) पृ. सं. 3&7

<u>कार्यवाही:</u>
21-22 जुलाई 2015 को 'पाठ्यक्रम विकास समिति' द्वारा तैयार विषयसूची परव्यापक रूप से विचार विमर्श करने के बादशैक्षिकसमिति के सदस्यों द्वारा इसे अनुमोदित किया गया । (संलग्नक २ एवं ३ देखें) पृ. सं. 2&6

विषय क्र. एस्.के.टी /बी ओ एस / 1.3
Item No. SKT/BOS/1.3:

- **कार्यशालानाम्/संगोष्ठीनां/सम्मेलनानां/विशिष्टव्याख्यानानाञ्च आयोजनेन/संघटनेन छात्राणां शिक्षकाणां च हितार्थं, शिक्षणस्य अनुसन्धानस्य च स्तराभिवृद्ध्यर्थं क्रियमाणोपक्रमाणाम् अनुमोदनम् ।**
  Approval for measures to be taken for the improvement of the standard of teaching and research by way of conducting/organising workshops / seminars / conferences / colloquia/ invited lectures for the benefit of the students as well the faculty.

कार्यवाही:

स्थायी तौर पर शिक्षण और अनुसन्धान के स्तर को परिपुष्ट करने के लिए यह सुझाया गया कि संकायप्राध्यापकों और छात्रों के समुचित विकास और स्तराभिवृद्धि के लिए विविध प्रकार के कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन/आमन्त्रितव्याख्यान/पैनलचर्चा/विशिष्टव्याख्यान/साहित्यिकप्रश्नमञ्च/आमन्त्रित लेखक द्वारा पुस्तकाध्ययन/ग्रन्थ चर्चा इत्यादि समुचित उपाय किए जाएं ।

विषय क्र. एस्.के.टी /बी ओ एस / 1.4
Item NoSKT /BOS/1.4:

- **पाठ्यचर्यायां विद्यामाः संस्कृत-पालीविभागशिक्षकैः प्रास्ताविताः विविधविषयाः मूलरूपेण पुनरीक्षिताः सततं परिशीलिताः समसामयिकाश्च सन्ति इत्यस्य अनुमोदनम्।**
  Approval to ensure that the curricula and syllabi of various courses offered by the teachers in the Department of Sanskrit and Pali are periodically reviewed, continuously revised and updated.

कार्यवाही:

विभाग द्वारा वर्तमान में प्रस्तुत पाठ्यक्रम के विविध विषयों की आवधिकसमीक्षा, पुनरीक्षण और समसामयिकीकरण की आवश्यकता और महत्त्व को अध्यक्ष के द्वारा शैक्षिकसमिति के सामने रखा गया । सदस्यों द्वारा विषयप्राध्यापक की स्वायत्तता को विशेष रूप से ध्यान में रखते हुए इसकी सराहना की और शिक्षण के अपने सम्बन्धित क्षेत्रों में होने वाले परिवर्तनों के साथ साथ शिक्षार्थियों की आवश्यकता के प्रति संवेदनशील होते हुए पाठ्यक्रम को पुनरीक्षित और अद्यतन बनाए रखने में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान की भी सराहना की ।

- **प्रचलितसत्रार्द्धे विभागेन प्रास्तावितविषयाणां विषयान्तर्वस्तूनां च अनुमोदनम् । (द्रष्टव्यम् - संलग्नकसंख्या- 4)** , पृ.स. 9
  Approval for the courses as well as the course content being offered by the Department in the current semester (See Annexure 4)

कार्यवाही:

शैक्षिक समिति के सदस्यों ने विभाग द्वारा प्रथमसत्रार्द्ध के लिए विभाग से और विश्वविद्यालय से प्रायोजित विषयों का भी अनुमोदन किया । (संलग्नक ४ देखें) पृ.स. 6

विभाग द्वारा प्रस्तुत प्रत्येक विषय की पाठ्यविषयान्तर्वस्तु पूर्ण रूप से मूल्याङिकत/परीक्षित थी तथा विषयप्राध्यापकों (जिन्होंने शैक्षिकसमिति में विशेष आमन्त्रित सदस्यों) को विषयान्तर्वस्तु की गुणवत्ता में उत्कृष्टता लाने के लिए सुझाव भी दिए गए । इन सुझावों को विषयप्राध्यापकों नेबाद के समय में विषयान्तर्वस्तु के संशोधन/समीक्षा के समयउन्हें शामिल करने के लिए गंभीरता से लिया ।

विषय क्र. एस्.के.टी /बी ओ एस / 1.5
Item NoSKT /BOS/1.5:

- **पूर्वसूचनां विनाऽपि कोऽपिसंतोषकरः विषयः चर्चार्थं केवलं अध्यक्षानाम् अनुमत्या एव स्वीकृतः स्यात् ।**

Any other item to be taken up for discussion only if thechair permits provided such an item could satisfactorily be dealt with in the meeting without any prior notice

विषय क्र. एस्.के.टी /बी ओ एस / 1.5
Item NoSKT /BOS/1.5:

(a) **विभाग की वार्षिक शोधपत्रिका के लोकार्पण का अनुमोदन**
Approval to Launch a National Journal Annual Periodicity of the Department

कार्यवाही:

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की 'धवलाद्रि' नामक अन्तर्राष्ट्रिय संस्कृत शोधपत्रिका के प्रकाशन की स्वीकृती प्रदान की गई ।

(b) विभाग के अर्द्धवार्षिक वार्तापत्र के लोकार्पण का अनुमोदन
Approval to launch Annual Newsletter of the Department

कार्यवाही:
शैक्षिकसमिति द्वारा विभाग के अर्धवार्षिक वार्तापत्र **"धवल-सन्देश"** के आरम्भ का अनुमोदन किया गया।

(c) बाह्य विशेषज्ञों की सूची का अनुमोदन; बाह्यपरीक्षक जिनकी सेवाएँ तब ली जा सकती है जब विभागीय स्तर पर विभिन्न कार्यों की आवश्यकता हो, उदाहरण के तौर पर स्नातकोत्तर / शोधगत लघु शोध प्रबंध के मूल्यांकन, कम्यूनिटी लैब रिपोर्ट, मौखिक परीक्षा आदि के आयोजन हेतु

Approval of the Panel of External Experts/Examiners whose services could be utilized as and when the need arises for various assignments of the Department viz. evaluation of PG/RD dissertations, community lab reports, conduct of viva, etc.

कार्यवाही: बाह्य विशेषज्ञों,जिनकी सेवाएं विभिन्न कार्यों जैसे शोधगत लघु शोध प्रबंध के मूल्यांकन, कम्यूनिटी लैब रिपोर्ट, मौखिक परीक्षा आदि के आयोजन हेतुली जा सकती हैं, की सूचि को भी अनुमोदित किया गया | (संलाग्नक ५ देखें)

गोष्ठी का समापन प्रथम गोष्ठी के अध्यक्ष एवं संयोजक डा. रोशन लाल शर्मा द्वारा बाहर से आए हुए विषयविशेषज्ञों, कुलपति द्वारा नामित सदस्यों और संकाय के सदस्यों के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ ।

Annexure ~~3~~ 1

"REGULATIONS FOR THE CONDUCT OF THE BUSINESS OF THE BOARD OF STUDIES"
(Made under the provisions of Section 29 of the Act and Statute 38 of Ist Statutes)

1. These regulations may be called, "Regulations for the conduct of the business of the Board of Studies" and shall come into force from the date of notification.
2. The Head of the Department/Centre shall convene and preside over the meeting of Board of Studies.
3. In case Head of the Department/Centre is not present at any meeting the senior-most member present shall act as the Chairman for the meeting in accordance with the clause 6 of University Ordinance 4.
4. The date, time and place for holding the meeting of the Board of Studies shall be as fixed by the Chairman.
5. A regular meeting of the Board of Studies shall be held at least two times in a year as per the requirements of University Ordinance 4.
6. Notice for a meeting of the Board of Studies, other than a special meeting, shall ordinarily be issued at least 10 days before the day fixed for the meeting.
7. The quorum for the meetings of the Board of Studies shall be 50% of the members of the Board of Studies which shall include at least one outside expert.
8. Special meetings may be called by the Chairman at his/her own initiative or on a written request by at least 50% of the members of the Board of Studies.
9. In case of special meetings called at the request of the members, no item other than those notified in the Agenda shall be discussed and that the presence of all members, at whose request the Special meeting was called, will be essential.
10. If in the opinion of the Vice-Chancellor, it is not necessary or expedient to convene a meeting of the Board of Studies to consider any item and if he considers that a matter could be disposed off by circulation among the members of Board of Studies he may issue necessary instructions to that effect.
11. An item proposed by any member(s) and included in the agenda may be withdrawn by the member with the permission of the Chairman.
12. The conduct of business and order of speaking shall be controlled by the Chairman.
13. The Chairman at his own instance or at the instance of any member may call or order any member to participate in the discussion.
14. Ordinarily no business other than that is brought forward in the agenda or supplementary agenda shall be transacted in the meeting. The Chairman may, however, introduce or permit to introduce any other item for discussion provided that such an item could satisfactorily be dealt with in the meeting without any prior notice.
15. All decisions in the meetings of the Board of Studies shall be taken by consensus. However, if circumstances so warrant, the Chairman may resort to voting for taking a decision by majority of the votes of the members present. It shall be for the Chairman to decide the manner in which the votes are to be cast. The Chairman shall have a vote and a casting vote.
16. A matter once decided by the Board of Studies shall not be reopened within next six months except with the consent of the Chairman.
17. The Head of the Department/Centre, within seven days after the meeting of the Board of Studies, shall send a copy of the minutes to each member of the Board of Studies.
18. The decisions recorded in the proceedings shall be submitted to the Dean of the School concerned for inclusion in the Agenda of the School Board for its next meeting.
19. Formal confirmation of the minutes will be the first item on the agenda of the following meeting of the Board of Studies.

संलग्नकसंख्या - ~~3~~ 2

ANNEXURE ~~3~~ 2

COURSE CATALOGUE DESIGNED BY CURRICULUM DEVELOPMENT COMMITTEE (CDC) HELD ON JULY 21-22, 2015

(कार्यालयीयः अनुवादः)

हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय, धर्मशाला

भाषासंकाय

विभाग – संस्कृत

संस्कृतविभाग की पाठ्यसमिति के पञ्चम उपवेशन का (BOS 5th) कार्यविवरण

संस्कृतविभाग की पाठ्यसमिति के पञ्चम उपवेशन का आयोजन हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालय के धर्मशालास्थित धौलाधारपरिसर-1 में दिनाङ्क१५ अक्तूबर,२०१९ को १०.३० पूर्वाह्ण में हुआ। गोष्ठी का आरम्भ समिति के अध्यक्ष एवं संयोजक डॉ० बृहस्पतिमिश्र के औपचारिक स्वागत भाषण से हुआ

संगोष्ठी में समुपस्थित सदस्य थे –

१. डॉ० बृहस्पतिमिश्रः, संस्कृतविभागस्य अध्यक्षः, पाठ्यसमितेः संयोजकश्च।
२. प्रो० हर्षमेहता, बाह्यविषयविशेषज्ञः, सेवानिवृत्तः आचार्यः, पञ्जाब विश्वविद्यालयः (तलवाड़ा टाउनशिप होशियारपुर)
३. डॉ० ओमदत्तसरोचः, बाह्यविषयविशेषज्ञः, सेवानिवृत्तः प्राचार्यः, संस्कृतमहाविद्यालयः, चकमोहः, हमीरपुरम्।
४. प्रो० रोशन लाल शर्मा, कुलपतिद्वारा नामितः, आङ्गलविभागस्य विभागाध्यक्षः
५. प्रो० बलवान् गौतमः, कुलपतिद्वारा नामितः, आचार्यः, अम्बेडकर-पीठम्
६. डॉ० कुलदीपकुमारः, सहायकाचार्यः, संस्कृतविभागः
७. डॉ० विवेकशर्मा, सहायकाचार्यः, संस्कृतविभागः
८. डॉ० भजहरिदासः, सहायकाचार्यः, संस्कृतविभागः
९. श्रीमती अर्चना (विशेषामन्त्रिता), सहायकाचार्या, संस्कृतविभागः
१०. डॉ अंकुशकुमारः, सहायकाचार्यः (अतिथिः), संस्कृतविभागः
११. सुश्री सोनिका, सहायकाचार्या (अतिथिः), संस्कृतविभागः

इस गोष्ठी में विभागाध्यक्ष के द्वारा यह कार्यसूची समुपस्थापित की गयी –

५.१- दिनाङ्क ८अगस्त,२०१८ को आयोजित चतुर्थ पाठ्यसमिति (BOS-4th) के कार्यवृत्त का उपस्थापन।

संस्कृतविभाग के द्वारा स्नातकस्तर पर **वार्षिक-कर्मकाण्ड-प्रमाणपत्र तथा** द्विवार्षिककर्मकाण्ड-अनुधिः (डिप्लोमा) इन दोनों पाठ्यक्रमों का अनुमोदन (संलग्नक-२) और स्वीकृति।

५.३ – संस्कृतविभाग के द्वारा स्नातकोत्तरस्तर पर वार्षिक-संस्कृत-अनुवाद-अनुधिः (डिप्लोमा) इस पाठ्यक्रम का अनुमोदन **एवं** स्वीकृति।

५.४ – नूतनपाठ्यक्रमों का अनुमोदन –

कौशलविकास (skill development) :- व्यावहारिक - संस्कृतम्।

मानवनिर्माण (human making) :- संस्कृत-ज्ञानपरम्परा।

५.५ - सभी पाठ्यक्रमों में पाठ्यपुस्तकों की निर्धारित सूची निर्मित हो ऐसी संस्तुति।

५५१

५.६ – संस्कृतविभाग के छात्रों के लिये कार्यशाला।
५.७ - शोधछात्र दीपकनौटियाल के विद्यावारिधि की विषय की स्वीकृति और शोधप्रारूप की संस्तुति।
५.८ – संस्कृतविभाग के शोधनिर्देशकों की पुष्टि।
५.९ – शोधछात्र चमनलाल के विषय की स्वीकृतिः।

इसका कार्यविवरण इस प्रकार है –

विषय क्र. एस.के.टी. / बी.ओ.एस. / ५.१ :
दिनाङ्क ८ अगस्त ,२०१८ को आयोजित चतुर्थ पाठ्यसमिति के कार्यवृत्त का उपस्थापनम्। (संलग्नक -१)
कार्यविवरण :
संस्कृतविभाग की पञ्चमपाठ्यसमिति के (BOS-5th) **समक्ष उपस्थापित चतुर्थपाठ्यसमिति के**(BOS-4th) **निर्णयों, नियमों एवं कार्यों का अनुमोदन कर दिया गया।**

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./५.२ :
संस्कृतविभाग के द्वारा स्नातकस्तर पर **वार्षिक-कर्मकाण्ड-प्रमाणपत्र और** द्विवार्षिककर्मकाण्ड-अनुधिः (डिप्लोमा) इन दोनों पाठ्यक्रमों का अनुमोदन (संलग्नक-२) **एवं** स्वीकृति।
कार्यविवरण :
संस्कृतविभाग के द्वारा स्नातकस्तर पर वार्षिक-कर्मकाण्ड-प्रमाणपत्र और द्विवार्षिक-कर्मकाण्ड-अनुधिः (डिप्लोमा) इन दोनों पाठ्यक्रमों की **प्रवेशार्हता एवं श्रेयाङ्कों के विषय में चर्चा की गयी और यह निश्चय किया गया कि प्रवेश की योग्यता वरिष्ठ-माध्यमिक-स्तर की उत्तीर्णता (10+2) होनी चाहिए। वार्षिक-कर्मकाण्ड पाठ्यक्रम के श्रेयाङ्क चालीस (40) और द्विवार्षिक-कर्मकाण्ड पाठ्यक्रम के श्रेयाङ्क अस्सी (80) होने चाहिए, ऐसा नियमानुसार प्रस्तावित किया गया।**
पाठ्यक्रम के विषय में (CDC) एक गोष्ठी आयोजित की गयी जिसमें विशेषज्ञ के रूप में दो विद्वान् उपस्थितहुए। श्रीलक्ष्मीनिवासपाण्डेय और श्रीबनवारीशर्मा इन दो विशेषज्ञों के द्वारा पाठ्यक्रम का प्रारूप बना कर दिया गया।
वार्षिक-कर्मकाण्ड-प्रमाणपत्र के पाठ्यक्रम का (certificate course) नाम विशारद **एवं द्विवार्षिक-कर्मकाण्ड-अनुधि पाठ्यक्रम का (diploma course) नाम** प्रवीण हो, **इस प्रकार नाम के विषय में चर्चा हुई और सर्वसम्मति से निर्णय किया गया।**

गोष्ठी में ओमदत्तसरोच महोदय ने कहा कि सन्दर्भग्रन्थों में कर्मठगुरु और नित्यपूजाप्रकाश इत्यादि प्रमुख ग्रन्थों का समायोजन हो। इस चर्चा के बाद सर्वसम्मति से प्रस्ताव स्वीकृत हो गया।

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./५.३ :
संस्कृतविभाग के द्वारा वार्षिक–संस्कृत-अनुवाद-अनुधिः (डिप्लोमा) इस पाठ्यक्रम का अनुमोदन और (संलग्नक-३) स्वीकृति।
कार्यविवरण :

संस्कृतविभाग में स्नातकोत्तरस्तर पर वार्षिक-संस्कृत-अनुवाद-अनुधि (डिप्लोमा) इस पाठ्यक्रम की प्रवेशार्हता और श्रेयाङ्कों के विषय में चर्चा की गयी जिसमें प्रवेशयोग्यता स्नातक (B.A) हो। वार्षिक-संस्कृत-अनुवाद-अनुधि-पाठ्यक्रम के श्रेयाङ्क चालीस (40) होने चाहिए,ऐसा नियमानुसार प्रस्ताव किया गया | यदि 20 श्रेयाङ्क प्राप्त होंगे तो प्रमाणपत्र दिया जायेगा। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत कर लिया गया। विभागाध्यक्ष पाठ्यक्रमों के व्याख्यानों की योजना के लिये एक समिति की रचना करेंगे। वह समिति पाठ्यक्रम के विवरण का प्रस्ताव करेगी।

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./५.४ :

नूतनपाठ्यक्रमों का अनुमोदन – (संलग्नक- ४)

कौशलविकास (skill development) :- व्यावहारिक-संस्कृत।

मानवनिर्माण (human making) :- संस्कृत-ज्ञानपरम्परा

कार्यविवरण:

कौशलविकास के अन्तर्गत (skill-development) व्यावहारिक-संस्कृत एवं मानवनिर्माण के अन्तर्गत (human making) संस्कृत-ज्ञानपरम्परा- इन दो पत्रों की उपयोगिता का परिशीलन कर सम्यक्-रूप से चर्चा के बाद समिति ने इन्हें स्वीकृति प्रदान की।

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./५.५. : सभी पाठ्यक्रमों में पाठ्यपुस्तकों की निर्धारित सूची निर्मित हो इसकी संस्तुति।

कार्यविवरण :

हर्षमेहतामहोदय ने इस विषय में सम्मति दी कि प्रश्नपत्रों के निर्माण के लिये निर्धारित-ग्रन्थसूची की नितान्त आवश्यकता होती है। इस प्रकार से स्वीकृत पाठ्यक्रमों में प्रस्तुत संशोधन स्वीकृत हो गया।

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./ ५.६:

संस्कृतविभाग के छात्रों के लिये कार्यशाला।

कार्यविवरण :

विभाग के सभी छात्रों के संस्कृतभाषा में भाषाकौशल के अधिक विकास और परिष्कार के लिये तथा योग में रुचि-संवर्धन के लिये प्रत्येक सत्र में प्रायोगिककक्षा के लिये **कार्यशालाएँ होनी चाहिए।** भाषाप्रबोधनकार्यशाला, भाषापरिष्कारकार्यशाला और योगकार्यशाला का आयोजन भी हो। विभागाध्यक्ष ने कहा कि SKT210 और SKT311 इन दोनों पाठ्यक्रमों में योगासनों की दशदिवसीय प्रायोगिककक्षा का आयोजन आवश्यक है | समिति के द्वारा इस विषय में चर्चा में यह उपस्थापित किया गया कि संस्कृतभाषा में सभी छात्रों की सम्यक् गति हो। अत एव भाषाप्रबोधनकार्यशाला, भाषापरिष्कारकार्यशाला और योगकार्यशाला के आयोजन की स्वीकृति तथा SKT210, SKT311 इन दो पाठ्यक्रमों में तदनुसार प्रस्तुत-संशोधन की अनुमति दे दी गयी।

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./ ५.७ :

शोधछात्र दीपकनौटियाल के विद्यावारिधि की **शोधविषय** की स्वीकृति और शोधप्रारूप की संस्तुति।

कार्यविवरण :

संस्कृतविभाग के शोधछात्र दीपकनौटियाल के विद्यावारिधि की **शोधविषय** की स्वीकृति और शोधप्रारूप की संस्तुति **की गई।**

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./ ५.८ : संस्कृतविभाग के शोधनिर्देशकों की पुष्टि।

कार्यविवरण :

संस्कृतविभाग में शोधार्थियों के द्वारा शोधनिर्देशकों का चयन किया गया। बाद में विभागाध्यक्ष के द्वारा उनका अनुमोदन किया गया । अनुमोदित अधोलिखित शोधनिर्देशकों की पुष्टि की गयी –

क्रमाङ्क	**शोधनिर्देशक**	**शोधछात्र**
1.	डॉ० कुलदीपकुमार	दीपकनौटियाल, चमनलाल, अनिलकुमार
2.	डॉ० विवेकशर्मा	पङ्कजशर्मा
3.	डॉ० भजहरिदास	असीमहालदार

विषय क्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./ ५.९:

शोधछात्र चमनलाल की पीएच.डी. के विषय की स्वीकृति।

कार्यविवरण :

संस्कृतविभाग के शोधछात्र चमनलाल का शोधविषय पहले "संस्कृतवाङ्मये रोगोपचारः (अग्निपुराणस्य विशेषसन्दर्भे)" यह था। वह बदलकर :अग्निपुराणे रोगोपचारः" **इस रूप में अनुमोदित कर दिया गया।**

2. कुलसचिवः, हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयः
3. अधिष्ठाता - भाषासंकायस्य संचिकायाम् ।
4. कुलपतिमहोदयस्य निजीसचिवाय - कृपया माननीयकुलपतिमहोदयस्य सूचनार्थम् ।

(हिन्दी-भाषया अनुवादः)

10 सितम्बर 2020 को ई.मेल के माध्यम से आयोजित संस्कृत विभाग की पाठ्य समिति की षष्ठी गोष्ठी (BoS 6th) का कार्य विवरणम्

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग की षष्ठी पाठ्य समिति की गोष्ठी ई-मेल के माध्यम से (By Circulation) 10 सितम्बर 2020 को की गई।

पाठ्य समिति की अधिसूचना (पत्राङ्क–1-4/हि.प्र.के.वि./सा.प्र./2010/5795-5800/23 सितम्बर2019) के अनुसार अधिसूचित अधो लिखित सदस्यों को ई मेल किया गया --

1. डॉ. ओम्दत्तसरोचः, सेवानिवृत्तप्राचार्यः , गाँव पिपलू, डाक - घलू, बाया धनेटा, जिला – ऊना , हिमाचलप्रदेशः (बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में सदस्य)
2. डॉ. हर्ष मेहता, सेवानिवृत्त आचार्यः, 11 एल, टी -5, सेक्टर-1, तलवाडा टाउन शिप, होशियारपुर, पंजाब, (बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में सदस्य)
3. प्रो. रोशन लाल शर्मा, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, (माननीय कुलपति द्वारा नामित विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य)
4. प्रो. बलवान सिंह गौतम, चेयर प्रोफेसर, डॉ. आम्बेडकर चेयर, (माननीय कुलपति द्वारा नामित विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य)

ईमेल में अधो लिखित विषय प्रेषित किया गया -

विषयः - संस्कृत-विभागस्य पाठ्यसमितेः (BoS-6th) षष्ठ-गोष्ठ्याम् (10-09-2020) आमन्त्रणस्य सम्बन्धे ।

आदरणीयमहोदय !

सविनयं निवेदनम् अस्ति यत् पाठ्यसमितेः (BoS-6th) षष्ठ-गोष्ठी दिनाङ्के 10-09-2020 अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल By Circulation) निश्चिता अस्ति । अत्र भवान् सम्बद्ध-विषय-विशेषज्ञरूपेण/कुलपतिनामित-सदस्यरूपेण सादरं निमन्त्रितः अस्ति ।

445

संस्कृतविभागस्य पाठ्यसमितेः अणुपत्रमाध्यमेन
षष्ठतमस्य उपवेशनस्य (BOS-6th) कार्यसूची

विषय: - क्र. एस.के.टी. / बी.ओ.एस. / ६.१ :

- **हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वद्यालयस्य धौलाधारपरिसरस्य सगोष्ठीकक्षे 8 मई 2019 दिनाङ्के अनौपचारिक-संस्कृतशिक्षण-प्रकल्पस्य समापनसमारोहकार्यक्रमे कुलपतिना कुलदीपचन्दाग्निहोत्रिणा घोषणा कृतासीत् यत् अधुना हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वद्यालस्य स्नातकसंस्कृत (बी०ए०) इति उपाधिपत्रे शास्त्री इत्यपि पदं लेखिष्यते ।**

कुलपतिवर्यस्य निर्देशः अस्ति यत् उपर्युक्तविषयस्य विचार-विमर्शः शीघ्रातिशीघ्रं भवेदिति । अतः अस्य विषयस्य एषा अणुपत्रमाध्यमेन गोष्ठी आयोजिता ।
अस्मिन् विषये स्वीयान् विचारान् तथा च सम्मतिः असम्मतिः इति अणुपत्रमाध्यमेन (ई.मेल) यथाशीघ्रं प्रकाशयन्तु एतदर्थं सादरं निवेद्यते ।

सादरं धन्यवादः

(डॉ. बृहस्पतिमिश्रः)
अध्यक्षः - पाठ्य-समितिः
विभागाध्यक्षः - संस्कृतविभागः, अधिष्ठाता - भाषासंकायः
हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयः, हिमाचल प्रदेश- 177041

उपर्युक्त विषय में ई-मेल के माध्यम से सभी सदस्यों ने अपना मत व्यक्त किया । डॉ. ओम्दत्त सरोच शर्मा महोदय जी ने इस विषय में अपनी असम्मति व्यक्त की । शेष सभी सदस्यों ने इस विषय में अपनी सम्मति व्यक्त की । (ईमेल मुद्रित संलग्न) । इसके साथ ही सम्मति व्यक्त करने वाले शेष सभी सदस्यों ने दूरभाष चर्चा में इस विषय में भी सम्मति दी कि इस निर्णय को पूर्वप्रभावी (Retrospective) स्तर पर स्नातक संस्कृत (B.A. संस्कृत) के उपाधि प्रमाणपत्र में भी लागू किया जा सकता है ।

अतः बहुमत से इस विषय – **"हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के स्नातक संस्कृत (B.A. संस्कृत) के उपाधि प्रमाणपत्र में B.A. के साथ शास्त्री शब्द का उल्लेख करने तथा पूर्वप्रभावी (Retrospective) स्तर पर स्नातक संस्कृत (B.A. संस्कृत) के उपाधि प्रमाणपत्र में भी लागू किया जा सकता है"** का निर्णय किया गया ।

(इति शम्)

465

(कार्यालयीयः अनुवादः)

संस्कृत-पालि एवं प्राकृत-विभाग की पाठ्यसमिति के सप्तम उपवेशन (BOS 7th) का कार्यविवरण

संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग की सप्तम पाठ्य समिति की बैठक हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के धर्मशाला स्थित धौलाधार परिसर में 24 मार्च 2021 को पूर्वाह्ण 11:30 पर हुई। गोष्ठी का आरंभ समिति के अध्यक्ष एवं संयोजक डॉक्टर बृहस्पति मिश्र के औपचारिक स्वागत भाषण से हुआ।

इस बैठक में उपस्थित सदस्य थे -

1. डॉ० बृहस्पतिमिश्रः, (अध्यक्षः – संस्कृत-पालि एवं प्राकृत-विभागः, पाठ्यसमितेः संयोजकश्च)
2. प्रो० हर्षमेहता, सेवानिवृत्तः आचार्यः, पञ्जाब विश्वविद्यालयः (तलवाड़ा टाउनशिप, होशियारपुर (बाह्यविषयविशेषज्ञः)
3. डॉ० ओमदत्तसरोचः, सेवानिवृत्तः प्राचार्यः, संस्कृतमहाविद्यालयः, चकमोहः, हमीरपुरम् (बाह्यविषयविशेषज्ञः)
4. प्रो० रोशन लाल शर्मा, आचार्यः – आङ्गलविभागः (कुलपतिद्वारा नामितः सदस्यः)
5. प्रो० बलवान् गौतमः, अध्यक्षः - अम्बेडकर-पीठम् (कुलपतिद्वारा नामितःसदस्यः)
6. डॉ० कुलदीपकुमारः, सहायकाचार्यः, संस्कृत-पालि एवं प्राकृत-विभागः (विभागीयसदस्यः)
7. डॉ० विवेकशर्मा, सहायकाचार्यः, संस्कृत-पालि एवं प्राकृत-विभागः (विशेषामन्त्रितःसदस्यः)
8. डॉ० भजहरिदासः, सहायकाचार्यः, संस्कृत-पालि एवं प्राकृत-विभागः (विशेषामन्त्रितःसदस्यः)
9. श्रीमती अर्चना, सहायकाचार्या, संस्कृत-पालि एवं प्राकृत-विभागः (विशेषामन्त्रिता सदस्या)
10. डॉ० वैथी सुब्रह्मण्यः, सहायकाचार्यः, संस्कृत-पालि एवं प्राकृत-विभागः (विशेषामन्त्रितः सदस्यः)
11. डॉ० रणजीत कुमारः, सहायकाचार्यः, संस्कृत-पालि एवं प्राकृत-विभागः (विशेषामन्त्रितःसदस्यः)

इस बैठक के लिए विभागाध्यक्ष ने इस कार्य सूची का उपस्थापन किया-

- 7.1 पंचम पाठ्य समिति के कार्यवृत्त का अनुमोदन।
- 7.2 छठी पाठ्य समिति के कार्य वृत्त का अनुमोदन।
- 7.3 शोध छात्रों के शोध विषयों का अनुमोदन।
- 7.4 शोध उपाधि पाठ्यचर्या में नूतन पाठ्यक्रम का अनुमोदन।
- 7.5 स्नातकोत्तर स्तर पर लघु शोध प्रबंध के नूतन पाठ्यक्रम का अनुमोदन।

431

➢ 7.6 संस्कृत माध्यम से समाजशास्त्र के अध्यापन का अनुमोदन।

➢ 7.7 विभागीय पत्रों का यथासंभव संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रसार और अंत में उनका हिंदी में कार्यालयीय अनुवाद।

➢ 7.8 अध्यक्ष की अनुमति से उपस्थापनीय कोई भी विषय (जो पूर्व निर्धारित कार्य सूची में नहीं है)।

कार्य विवरण इस प्रकार है–

3. **विषयक्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./7.1 –**

➢ पंचम पाठ्य समिति के (BoS-5, 15-10-2019) कार्यवृत्त का अनुमोदन। (संलग्नक-1)

कार्यविवरणम् - संस्कृत विभाग की पाठ्य समिति के समक्ष उपस्थापित किए गए पंचम पाठ्य समिति के कार्यों और का अनुमोदन किया गया।

2. विषयक्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./7.2 -

➢ छठी पाठ्य समिति के (BoS-6, 10-09-2020) कार्यवृत्त का अनुमोदन। (संलग्नक-2)

कार्यविवरणम् - छठी पाठ्य समिति में बीए प्रमाण पत्र में शास्त्री लिखने का अनुमोदन किया गया था। विचार के बाद इस विषय को स्थगित कर दिया गया क्योंकि इसकी संभावना है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने पर स्नातक का पाठ्यक्रम 4 वर्षों का होगा और तब विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार इस पर पुनर्विचार किया जाएगा।

4. **विषयक्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./7.3 –**

➢ संस्कृत विभाग के तीन छात्रों के शोध विषयों का अनुमोदन।

कार्यविवरणम् - संस्कृत विभाग के तीन शोध छात्रों के शोध विषयों को अनुमोदनार्थ प्रस्तुत किया।

1. अनिल कुमार का शोध विषय - कार्तिकेय : देवता, दर्शन,उपासना (स्कन्द पुराण के विशेष संदर्भ में) था। विचार के बाद उसे "कार्तिकेयः देवता, दर्शनम् ,उपासना (स्कंद पुराण और हिमाचलीय लोकसंस्कृति के विशेष संदर्भ में)" कर दिया गया। इस विषय में समिति के सदस्यों ने यह मत रखा कि इससे विषय का क्षेत्र और अधिक व्यापक हो जाएगा।

2. दूसरे शोध छात्र पंकज शर्मा का विषय बिना किसी परिवर्तन के यथावत् अनुमोदित कर दिया गया।

3. असीम हालदार का विषय पहले "मनोदूतकाव्यानां समीक्षात्मकमध्ययनम् (विष्णुदासकृत मनोदूतकाव्यस्य विशेषसंदर्भे)" था जिसे विचार के बाद परिवर्तित कर "दूतकाव्येषु मनोदूतकाव्यानां समीक्षात्मकमध्ययनं (विष्णदास कृत मनोदूतकाव्यस्य विशेषसंदर्भे)" ऐसा कर दिया गया| इस विषय में समिति के सदस्यों का यह विचार था कि इससे विषय का क्षेत्र अधिक स्पष्ट हो जाएगा।

इस प्रकार सप्तम पाठ्य समिति के अनुमोदन के बाद तीनों शोध छात्रों के शोध विषय इस प्रकार हो गए हैं-

शोधच्छात्रस्य नाम, शोधनिर्देशकः	**शोधविषयः**
शोधच्छात्रः - अनिलकुमारः **शोधनिर्देशकः** - डॉ० कुलदीपकुमारः, सहायकाचार्यः, संस्कृत-पालि एवं प्राकृत-विभागः	**शोधविषयः** - कार्तिकेयः- देवता,दर्शनम् उपासना (स्कन्दपुराणस्य हिमाचलीयलोकसंस्कृतेश्च विशेषसन्दर्भे)
शोधच्छात्रः - पङ्कजशर्मा **शोधनिर्देशकः** - डॉ० कुलदीपकुमारः, सहायकाचार्यः, संस्कृत-पालि एवं प्राकृत-विभागः	**शोधविषयः** - सायणीये ऋग्वेदभाष्ये प्रथममण्डले व्याख्यानशैली (उणादिसूत्राणां विशेषसन्दर्भे)
शोधच्छात्रः - असीमहालदारः **शोधनिर्देशकः** - डॉ० भजहरिदासः, सहायकाचार्यः, संस्कृत-पालि एवं प्राकृत-विभागः	**शोधविषयः** - दूतकाव्येषु मनोदूतकाव्यानां समीक्षात्मकमध्ययनम् (विष्णुदासकृतमनोदूतकाव्यस्य विशेषसन्दर्भे)

4. विषयक्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./7.4

➢ शोध और प्रकाशन का नीतिशास्त्र यह पाठ्यक्रम शोध उपाधि की पाठ्यचर्या में पढ़ाना है।

कार्यविवरणम् - इस विषय में सभी सदस्यों ने गंभीर विचार किया। सभी का यह मत था कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के परामर्श के अनुसार "शोध और प्रकाशन का नीतिशास्त्र" यह 2 श्रेयांकों का पाठ्यक्रम सभी शोध छात्रों के लिए शोध उपाधि की पाठ्यचर्या में पठनीय है क्योंकि इससे शोध के समय उनके मन में शोध प्रबंध और शोधपत्र आदि के लेखन में स्रोतों के उल्लेख में सत्यनिष्ठा और स्पष्टता आएगी। अतः गहन विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से यह विषय शोध उपाधि की पाठ्यचर्या में पढ़ाये जाने के लिए अनुमोदित कर दिया गया।

5. विषयक्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./7.5

➢ संस्कृत विभाग में स्नातकोत्तर चतुर्थ सत्र में लघु शोध प्रबंध का एक पत्र होना चाहिए।

कार्यविवरणम् - इस विषय में सभी सदस्यों के द्वारा गंभीरता पूर्वक विचार किया गया। सबका यह मत था राष्ट्रीय शिक्षा नीति में परास्नातक स्तर पर शोध अभिरुचि के विकास के लिए उपाय करने चाहिए ऐसा निर्दिष्ट है। अतः उसके अनुसरण में संस्कृत विभाग में स्नातकोत्तर के चतुर्थ सत्र में यदि लघु शोध प्रबंध का एक पत्र होगा तो स्नातकोत्तर स्तर से ही छात्रों में शोध अभिरुचि का विकास होगा। अतः संस्कृत विभाग में स्नातकोत्तर के चतुर्थ सत्र में लघु शोध प्रबंध का एक पत्र हो ऐसा सभी के द्वारा एकमत से अनुमोदित किया गया।

6. विषयक्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./7.6

➢ समाजशास्त्र का अध्यापन संस्कृत माध्यम से करने का अनुमोदन।

कार्यविवरणम् - समाजशास्त्र का अध्यापन संस्कृत माध्यम से डॉक्टर भजहरी दास ने किया था और आगे भी किया जाएगा। कुलपति महोदय ने भी इसकी कार्योत्तर स्वीकृति प्रदान कर दी थी। यह विषय सभी सदस्यों के द्वारा आनंद पूर्वक अनुमोदित कर दिया गया।आगे भी इसका प्रवर्तन होता रहे, ऐसा शुभाशय भी सभी ने प्रकट किया।

7. विषयक्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./7.7

➢ विभागीय पत्रों का यथासंभव संस्कृत में प्रसार हो और अंत में यथा आवश्यक हिंदी में उनका कार्यालयीय अनुवाद किया जाए।

कार्यविवरणम् - इस विषय में विमर्श के बाद सभी सदस्यों के द्वारा प्रसन्नतापूर्वक सम्मति प्रकाशित की गई। सबका यह मत था कि इससे संस्कृत का प्रचार होगा और संस्कृतमय वातावरण बनाने में सरलता होगी। अतः यह विषय सर्व सम्मति से अनुमोदित कर दिया गया।

8. विषयक्र. एस.के.टी./बी.ओ.एस./7.8

➢ अध्यक्ष की अनुमति से उपस्थापनीय कोई भी विषय जो पूर्व निर्धारित कार्य सूची में नहीं है।

कार्यविवरणम् - अध्यक्ष की अनुमति से शोध प्रविधि के विषय में गंभीर चर्चा हुई सभी सदस्यों का यह मत था कि जिस प्रकार अन्य मानविकी के विषयों में विशेषकर आधुनिक भाषाओं में शोध प्रविधि का एक मानकीकृत रूप निर्धारित है और समय-समय पर उसमें संशोधन होता रहता है उसी प्रकार संस्कृत में भी शोध प्रविधि का एक मानकीकृत रूप निर्धारित कर यदि संस्कृत विभाग प्रकाशित करता है तो संस्कृत जगत का और संस्कृत में शोध रत शोधार्थियों का महान उपकार होगा प्रायः इस प्रकार का प्रयास संस्कृत में कहीं अन्यत्र दिखलाई नहीं पड़ता। अतः हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के द्वारा इस प्रकार का कार्य होता है तो इस दिशा में प्रथम कार्य के रूप में यह ख्यापित होगा।

अंत में अध्यक्ष के द्वारा बाह्य विषयविशेषज्ञों, कुलपति के द्वारा नामित सदस्यों एवं विभागीय सदस्यों का आभार प्रकट किया गया। इस आभार प्रदर्शन के साथ ही संस्कृत विभाग की पाठ्य समिति का सप्तम उपवेशन (BOS 7th) संपन्न हुआ।

इति

(कार्यालयीयः अनुवादः)

संस्कृत पाली एवं प्राकृत विभाग की आठवीं पाठ्य समिति (BoS-8) का कार्यवृत्त

दिनांक 15 सितम्बर , 2021 हि.प्र. के.वि. वि. धौलाधार परिसर -1 में संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग की आठवीं पाठ्य समिति की बैठक अपराह्न 2: बजे ऑनलाइन माध्यम से सम्पन हुई है। इसकी अध्यक्षता डॉ. बृहस्पति मिश्र ,विभागाध्यक्ष, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग द्वारा की गयी। **इसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित रहे।**

1. डॉ. बृहस्पति मिश्र – अधिष्ठाता,भाषा स्कूल एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग (अध्यक्ष एवं सयोंजक)
2. प्रो. हर्ष मेहता, सेवानिवृतः आचार्यः, पंजाब विश्विद्यालय : (तलवाड़ा टाउनशिप होशियारपुर (बाह्यविशेषज्ञ)
3. डॉ० ओम दत्त सरोच : सेवानिवृत : प्राचार्य संस्कृत महाविद्यालय :, चकमोह :, हमीरपुर (बाह्यविशेषज्ञ)
4. प्रो० रोशन लाल शर्मा, आचार्यः – अंग्रेजी विभाग (कुलपतिद्वारा नामितः सदस्यः)

आठवीं बैठक में दो सदस्य उपस्थित नहीं थे।

1. प्रो. ओ.एस.के शास्त्री , आचार्यः – भौतिकविज्ञानम् (कुलपतिद्वारा नामित सदस्य)
2. डॉ. कुलदीपकुमारः सहायक आचार्यः, संस्कृतपालिप्राकृतविभागः (विभागीय-वरिष्ठताक्रमसदस्य

विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस./ 8.1 24 मार्च, 2021 को सातवीं पाठ्य समिति की वैठक के कार्यवृत का अनुमोदन हेतु। (संलग्नक-1)
कार्यविवरणम् - 24 मार्च, 2021 को सातवीं पाठ्य समिति की बैठक के कार्यवृत का अनुमोदन किया गया ।

विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस./ 8.2 शोधार्थी देविंदर कुमार के शोध निर्देशक, शोध विषय और शोध प्रारूप की स्वीकृति के सम्बन्ध में। (संलग्नक-2)
कार्यविवरणम् - शोधार्थी देविंदर कुमार के शोध निर्देशक डॉ. रणजीत कुमार को श्री देविंदर कुमार का शोध निर्देशक नियुक्त किया गया और शोध विषय : "स्वराज्यमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयाध्ययनम्" तथा शोध प्रारूप को स्वीकृत किया गया।

विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस./ 8.3 स्नातक तृतीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के संशोधन/नूतन/प्रस्ताव के सम्बन्ध में (संलग्नक-3)
कार्यविवरणम् - स्नातक तृतीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम पर गहन विचार किया गया और संशोधन करने की पाठ्य समिति द्वारा स्वीकृति दी गयी।

क्र. स.	विषय	क्रेडिट	कोड	परिवर्तित/नूतन
1	तर्क संग्रह	4	SKT145	नूतन
2	व्याकरण-3	4	122	संशोधित
3	संस्कृत साहित्यस्य इतिहासः	4	SKT- 185	संशोधित

विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस./ 8.4 स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के संशोधन/नूतन/प्रस्ताव के सम्बन्ध में (संलग्नक-4)

कार्यविवरणम् - स्नातकोत्तर तृतीय सत्र के पाठ्यक्रम पर गहन विचार किया गया और संशोधन किया गया एवं पाठ्य समिति द्वारा स्वीकृति दी गयी।

क्र. स.	विषय	क्रेडिट	कोड	परिवर्तित/नूतन
1	वेदान्तसारः उपनिषच्च	4	SKT326	सत्रान्तरित
2	कौटिल्य-अर्थशास्त्रम्, मनुस्मृतिः	4	SKT328	नूतन
3	व्याकरणम् – मध्यसिद्धान्त-कौमुदी (1)	4	SKT364	नूतन
4	महाभाष्यम्	4	SKT362	सत्रान्तरित

स्नातकतृतीयसत्राय (B.A. 3RD SEM.) प्रस्तावितः पाठ्यक्रमः

क्र. स.	पाठ्यक्रम-कूटाङ्कः	पाठ्यक्रमस्य नाम	श्रेयाङ्काः
1	SKT145	तर्कसंग्रहः	4
2	SKT 109	नीतिशास्त्रम्	4
3	SKT 121	स्वप्नवासवदत्तम्	4
4	SKT 122	व्याकरणम् -3	4
5	SKT 185	संस्कृत साहित्यस्य इतिहासः	4
6	EEL 210	आङ्ग्लम्	4

स्नातकोत्तरतृतीयसत्राय(M.A. 3RD SEM.) प्रस्तावितः पाठ्यक्रमः

क्र. स.	पाठ्यक्रम-कूटाङ्कः	पाठ्यक्रमस्य नाम	श्रेयाङ्काः
1	SKT 326	वेदान्तसारः उपनिषच्च	4
2	SKT 309	संस्कृतगीतिकाव्यं चम्पूश्च	4
3	SKT 328	कौटिलीयम् अर्थशास्त्रम्, मनुस्मृतिः	4
4	SKT 350	ध्वनिशास्त्रम् (ध्वन्यालोकः प्रथमः उद्योतः)	4
5	SKT 351	रससिद्धान्तः (नाट्यशास्त्रम् षष्ठः अध्यायः)	4
6	SKT 364	व्याकरणम् (मध्यसिद्धान्त-कौमुदी-1)	4
7	SKT 362	महाभाष्यम्	4

अन्त में अध्यक्ष के द्वारा बाह्य विषयविशेषज्ञों, कुलपति के द्वारा नामित सदस्यों एवं विभागीय सदस्यों का आभार प्रकट किया गया। इस आभार प्रदर्शन के साथ ही संस्कृत पाली एवं प्राकृत विभाग की पाठ्य समिति का अष्टम उपवेशन संपन्न हुआ।

विषयक्र. : एस.के.टी./बी.ओ.एस/9.9

अध्यक्षस्य अनुमत्या उपस्थापनीयः कोपि विषयः यः कार्यसूच्यां पूर्वनिर्धारितः नास्ति पाठ्यसमितेश्च अधिकारक्षेत्रे पतति ।

कार्यविवरणम्-

कोपि विषयो न प्रस्तुतः ।

अन्ते अध्यक्षद्वारा बाह्यविषयविशेषज्ञानां , कुलपतिद्वारानामितसदस्यानां विभागीयसदस्यानां च आभारः प्रकटितः । अनेन आभारप्रदर्शनेन साकमेव संस्कृतपालीप्राकृतविभागस्य पाठ्यसमितेः नवमम् उपवेशनं संपन्नमभूत्।

1. डॉ. बृहस्पतिमिश्रः (अध्यक्षः संयोजकश्च , पाठ्यसमितिः) 27-9-2021
2. प्रो. हर्षमेहता (बाह्यविशेषज्ञः) (online - उपस्थित)
3. डॉ० ओम्दत्तः सरोचः (बाह्यविशेषज्ञः) (आभासीय रूपेण उपस्थित - online)
4. प्रो० रोशनलालशर्मा (कुलपतिद्वारानामितः सदस्यः) 27/9/2021
5. प्रो. ओ.एस.के.शास्त्री (कुलपतिद्वारानामितः सदस्यः)
6. डॉ. कुलदीपकुमारः (विभागीयः सदस्यः) 27/09/2021

<u>हिंदी मे अनुवाद</u>

संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग की नवमी पाठ्य समिति (BoS-9) का कार्यवृत्त

संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग की नवमी पाठ्य समिति (BoS-9) की बैठक हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के धर्मशाला स्थित धौलाधार परिसर-1 में 27 सितम्बर, 2021 को पूर्वाह्न 11:00 पर हुई। गोष्ठी का आरंभ पाठ्य समिति के अध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. बृहस्पति मिश्र के वैदिक मंगलाचरण और औपचारिक स्वागत भाषण से हुआ।

इस बैठक में उपस्थित सदस्य थे –

1. डॉ. बृहस्पति मिश्र, विभागाध्यक्ष- संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग, अधिष्ठाता, भाषा स्कूल (अध्यक्ष एवं संयोजक, पाठ्य समिति)
2. प्रो. हर्ष मेहता, सेवानिवृत्त , आचार्य - पंजाब विश्वविद्यालय (तलवाड़ा टाउनशिप होशियारपुर (बाह्यविशेषज्ञ)
3. डॉ० ओम दत्त सरोच, सेवानिवृत्त प्राचार्य- संस्कृत महाविद्यालय, चकमोह , हमीरपुर (बाह्यविशेषज्ञ)
4. प्रो० रोशन लाल शर्मा, आचार्य – अंग्रेजी विभाग (कुलपतिद्वारा नामित सदस्यः)
5. प्रो. ओ.एस.के.शास्त्री, आचार्य – भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग (कुलपतिद्वारा नामितः सदस्यः)
6. डॉ. कुलदीप कुमार , सहायक आचार्य- संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग (विभागीय सदस्यः)

इस बैठक के लिए विभागाध्यक्ष ने इस कार्य सूची का उपस्थापन किया-

- 9.1 15 सितम्बर, 2021 को आठवीं पाठ्य समिति (BoS-8) की वैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन हेतु।
- 9.2 राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की अनुपालना हेतु विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों के सैद्धान्तिक अनुमोदन हेतु।
- 9.3 स्नातक प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम (रा.शि.नी.-2020) के अनुमोदन हेतु।
- 9.4 स्नातकोत्तर प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम (रा.शि.नी.-2020)के अनुमोदन हेतु।
- 9.5 स्नातक संस्कृत की उपाधि मे शास्त्री शब्द जोड़ने के निर्णय हेतु।
- 9.6 राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की अनुपालना मे स्नातक स्तर के आंग्ल पाठ्य क्रम के अंगीकरण हेतु।
- 9.7 सम्भाषण प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम के निर्णय हेतु।
- 9.8 परीक्षक सूची के अनुमोदन हेतु।
- 9.9 अध्यक्ष की अनुमति से उपस्थापनीय कोई भी विषय जो कार्यसूची पूर्व निर्धारित नहीं है और पाठ्य समिति के अधिकार क्षेत्र मे है।

कार्य विवरण इस प्रकार है-

विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस/9.1

- 15 सितम्बर, 2021 को आठवीं पाठ्य समिति (BoS-8) की वैठक के कार्यवृत्त का अनुमोदन। (संलग्नक -1)

कार्य विवरण

संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग की आठवीं पाठ्य समिति (BoS-8) का कार्यवृत्त डॉ. कुलदीप कुमार, सहायक आचार्य संस्कृत पालि एवं प्राकृत विभाग द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसका विचार विमर्श के बाद समिति के सदस्यों द्वारा अनुमोदन किया गया।

विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस/9.2

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की अनुपालना हेतु विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों का सैद्धान्तिक अनुमोदन।(संलग्नक-2)

कार्य विवरण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की अनुपालना हेतु विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों पर गहन विचार किया गया और इनका सैद्धान्तिक अनुमोदन कर दिया गया।

विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस/9.3

- स्नातक प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम (रा.शि.नी.-2020) के अनुमोदन। (संलग्नक -3)

कार्य विवरण

समिति के सदस्यों ने गहन विचार के बाद स्नातक प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम (रा.शि.नी.-2020 के अनुसार) का अनुमोदन कर दिया।

इस के साथ ही इस विषय में समिति के सदस्य प्रो. ओ.एस.के. शास्त्री ने यह परामर्श दिया कि स्नातक के तीन वर्षो में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार प्रथम चार सत्रों मे गौण (Minor) विभाग के अंतर्गत चार श्रेयांक (Credits) के चार प्रश्न पत्र और सामुदायिक सम्पर्क के अंतर्गत दो श्रेयांक (Credits) के चार प्रश्न पत्र पढने से छात्र कुल 24 श्रेयांक (Credits) (16+8=24) अर्जित कर लेगा। जिस विषय मे छात्र ये 24 श्रेयांक (Credits) अर्जित करेगा उस विषय मे वह स्नातकोत्तर उपाधि अर्जित करने के लिए अर्ह हो जायेगा। ऐसा करने से संस्कृत के छात्र को स्नातक करने के बाद अन्य विषयों जैसे हिंदी , अंग्रेजी, समाजशास्त्र, पंजाबी, राजनीति विज्ञान आदि मे भी स्नातकोत्तर करने के अवसर प्राप्त होने की सम्भावना है।

विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस/9.4

- स्नातकोत्तर प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम (रा.शि.नी.-2020) के अनुसार अनुमोदन। (संलग्नक -4)

कार्य विवरण

समिति के सभी सदस्यों ने गहन विचार के बाद प्रस्तावित स्नातकोत्तर प्रथम सत्र के पाठ्यक्रम (रा.शि.नी.-2020 के अनुसार) का अनुमोदन कर दिया।

विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस/9.5

- स्नातक संस्कृत की उपाधि मे शास्त्री शब्द जोड़ने के निर्णय हेतु।

कार्य विवरण

स्नातक संस्कृत की उपाधि मे "शास्त्री" शब्द जोड़ने के निर्णय हेतु समिति के सभी सदस्यों ने गहन विचार विमर्श किया। सभी पक्षों पर विचार करने के बाद समिति इस निष्कर्ष पर पहुंची कि स्नातक के वर्तमान स्वरूप मे स्नातक उपाधि के साथ "शास्त्री" शब्द जोड़ना समीचीन न होगा। सभी सदस्यों का इस विषय मे एक मत था कि विश्वविद्यालय मे संस्कृत विभाग वर्तमान में चल रही स्नातक संस्कृत की उपाधि के साथ- साथ अलग से "शास्त्री" उपाधि का कार्यक्रम चलाया जा सकता है।

इस प्रकार समानान्तर रूप से स्नातक (B.A) संस्कृत एवं शास्त्री उपाधि के दो कार्यक्रम चलाने से छात्रों का हित भी होगा और उन्हें इच्छा के अनुसार विकल्प चुनने की स्वतन्त्रता भी प्राप्त होगी। इस विषय मे समिति ने सर्वसम्मति व्यक्त की।

विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस/9.6

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की अनुपालना मे स्नातक स्तर के आंग्ल पाठ्यक्रम का अंगीकरण हेतु । (संलग्नक -5)

कार्य विवरण

समिति के सभी सदस्यों ने विचार विमर्श के बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की अनुपालना मे उपस्थापित स्नातक स्तर के आंग्ल पाठ्यक्रम का अंगीकरण किया। यह विषय आंग्ल विभाग के द्वारा ही पढ़ाया जायेगा।

विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस/9.7

- सम्भाषण प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम निर्णय हेतु।

कार्य विवरण

संस्कृत सम्भाषण के लिए प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम के विषय मे समिति के सभी सदस्यों ने विभिन्न पक्षों पर विचार किया और अंत मे इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि इसका निर्णय इस समय पाठ्य समिति मे नहीं किया जा सकता और इस

के लिए अलग से एक पाठ्य क्रम विकास समिति (Curriculum Development Committee) का निर्माण किया जाना चाहिए। इस समिति के प्रतिवेदन पर बाद मे पाठ्य समिति मे विचार किया जा सकता है। इस विषय मे प्रो. ओ.एस.के. शास्त्री ने यह परामर्श दिया कि पाठ्य क्रम की अवधि के अनुसार ही नामकरण होना चाहिए , जिस से नाम की समानता के कारण कोई भ्रम अथवा विसंगति उत्पन्न न हो।

समिति के अन्य सभी सदस्यों ने इस विषय में अपनी सहमति व्यक्त की।

विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस/9.8

- परीक्षक सूची के अनुमोदन हेतु । (संलग्नक -6)

कार्य विवरण

पाठ्य समिति के सभी सदस्यों ने मूल्यांकन हेतु विभागाध्यक्ष द्वारा उपस्थापित की गयी परीक्षक सूची का अनुमोदन कर दिया।

विषयक : एस.के.टी./बी.ओ.एस/9.9

अध्यक्ष की अनुमति से उपस्थापित कोई भी विषय जो कार्यसूची मे पूर्व निर्धारित नहीं है और पाठ्य समिति के अधिकार क्षेत्र मे है।

कार्य विवरण

कोई भी विषय प्रस्तुत नहीं किया गया।

अंत में अध्यक्ष के द्वारा बाह्य विषयविशेषज्ञों, कुलपति के द्वारा नामित सदस्यों एवं विभागीय सदस्यों का आभार प्रकट किया गया। इस आभार प्रदर्शन के साथ ही संस्कृत पाली एवं प्राकृत विभाग की पाठ्य समिति का नवम उपवेशन संपन्न हुआ।